

21/12/17 (16/12/17) पत्रावली प्रशासन शांति के
 के संग इतिहास 2011 के मय को
 दरलाला के प्रेश ईट्टे छापी रासुदान
 क डिगल राजदान छु. छापी ने-
 अगला जो होरल का निरुधर से
 रल. ई के जमीन के ही नही हो
 के जमीन अनिल छुकर लर फेरे
 किर (1) में पत्रावली पर उपलब्ध
 दस्तावेजाल का कान पूर्वक कल लेख
 शिमा सर कद द्वारा पत्रावली रासुदान
 नाम से अनाकर प्रेश (1) गरी
 निरुधर काय किली कल खाते पर
 के दिखे अनका अगला 2011
 प्रेश रासुदान के दिखे से किली
 भी उकर गेट किर काय के लप से
 मयन निरुधर नही हो

अतः पत्रावली को खारीब ही
 जारी हु

पत्रावली उचाल शुमा लेकर
 भाषा से कम के जाकर संकिल
 उपर ले



क. नि. उ. उ. उ.
 क. नि. उ. उ. उ.

